पीईसी के तीन प्रोफेसर विश्व के दो फीसदी वैज्ञानिकों में शामिल

हरजीत मठारू । चंडीगढ़

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन प्रतिष्ठित फैकल्टी मेंबर्स प्रो. अलेकेश मन्ना, प्रो. कमल कुमार और प्रो. सिमरनजीत सिंह को विश्व के शीर्ष 2 फीसदी वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है। यह सम्मान स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने 19 सितंबर को जारी की गई वर्ल्ड टॉप 2% साइंटिस्ट लिस्ट में प्रदान किया गया।

यह सूची विश्वभर के उन शोधकर्ताओं को सम्मानित करती है, जिन्होंने अपने वैज्ञानिक योगदान, शोध पत्रों और प्रभावशाली कार्यों के माध्यम से वैश्विक अनुसंधान समुदाय में विशेष पहचान बनाई है।

प्रो. अलेकेश मन्ना मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से हैं। उन्हें वर्ष 2002 से 2025 तक के अपने करियर में उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। उन्होंने 277 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए, 5 पेटेंट्स प्राप्त किए और 23 पीएचडी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है। उन्हें प्रो. डीएन त्रिखा एक्सीलेंस इन रिसर्च पब्लिकेशन अवॉर्ड (2010) और डब्ल्यूसीई लंदन में बेस्ट रिसर्च पेपर अवॉर्ड (2016) से सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. कमल कुमार मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं। उन्हें लगातार पांचवें वर्ष यह वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई है। वर्ष 2024 में वह ऑथर्स सिंगल ईयर लिस्ट में शामिल थे। उनका शोध मुख्य रूप से मैग्नीशियम आधारित बायोडिग्रेडेबल इम्प्लांट्स पर केंद्रित है, जिनमें बोन स्कैफोल्ड्स, माइक्रोस्ट्रक्चर रिफाइनमेंट और मल्टी-लेयर्ड कोटिंग्स शामिल हैं, जो इम्प्लांट्स की डिग्रेडेशन दर को नियंत्रित करने में सहायक हैं।

प्रो. सिमरनजीत सिंह इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग से हैं, और उन्हें ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, नेटवर्क्स और एंटीना डिजाइन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। वह पेक की 5जी यूज केस लैब के को-कोर्डिनेटर भी हैं, जिसने हाल ही में देशभर की 100 लैब्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

चंडीगढ़ में सालाना पार्किंग पास फीस छह हजार रुपये, निगम एनएचएआई का फॉमूले पर चले तो लोगों के बचेंगे पैसे

हरजीत मठारू । चंडीगढ़

नगर निगम ने शहर में सभी पार्किंग के लिए मासिक पास कार के लिए 500 और दोपहिया के लिए 250 रुपये में देना तय किया था। पास तैयार कराने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) तक जारी करने की तैयारी थी। इसी बीच यूटी प्रशासन ने यह पास लागू करने से पहले नेशनल हाईवे अथॉरिटी आफ इंडिया (एनएचएआई) का पास मॉडल भी देखने को कहा है।

एनएचएआई पूरे देश के टोल प्लाजा का वार्षिक पास तीन हजार रुपये में दे रही है। जबकि निगम का वार्षिक पास 500 रुपये के हिसाब से 6000 रुपये प्रतिवर्ष का पड़ेगा। वार्षिक पास लेने पर भी लोगों को कोई फायदा नहीं मिलेगा। अब निगम के अधिकारी एनएचएआई के मॉडल पर वार्षिक पास के रेट तय करने पर माथा-पच्ची कर रहे हैं।

नगर निगम ने पास की वजह से स्मार्ट पार्किंग का मामला फिलहाल टाल दिया था। पास लॉन्च करने के बाद स्मार्ट पार्किंग का निर्णय होगा। अधिकारियों का मानना है कि अगर यह पास बड़ी संख्या में ले लिया जाता है तो पार्किंग रेट बढ़ाने की जरूरत नहीं होगी। इसलिए पार्किंग का रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) अभी निगम सदन में नहीं लाया जाएगा। आरएफपी में पार्किंग के रेट घंटों के हिसाब से निर्धारित किए गए हैं। जबकि अभी कार के लिए पूरा दिन के 14 तो दोपहिया के लिए सात रुपये लगते हैं।

अभी पार्किंग में तैनात कर्मी उस तरह से फीस वसूलने में सक्रियता नहीं दिखाते जैसे आउटसोर्स पर पार्किंग चले जाने के बाद उनके कर्मी करते हैं। निगम के पास तभी लोग लेंगे जब पार्किंग एंट्री व एग्जिट पर फीस अनिवार्य हो जाएगी। पास फेल न हो इसलिए एंट्री और एग्जिट पर सख्ती बढ़ेगी। अभी जो पार्किंग फीस है उस हिसाब से एक सिंगल पार्किंग का कार पास ही 420 रुपये का पड़ता है। जबकि निगम सभी पार्किंग के लिए पास 500 रुपये में देगी। निगम को उम्मीद है कि रोजाना आवाजाही वाले लोग पास लेंगे। इससे निगम को उससे कहीं अधिक राजस्व मिल जाएगा जितना पार्किंग को स्मार्ट सॉल्यूशन लागू करने के लिए आउटसोर्स करने से भी नहीं मिलेगा।

विश्वास फाउंडेशन ने डोनेट की प्रोटीनयुक्त पोषक डाइट 100 टीबी से ग्रस्त मरीज़ो के लिए

परदीप सिंह हैप्पी । मोहाली

स्टेट टीबी ऑफिसर राजेश राजू व सीएमओ मुक्ता कुमार की अध्यक्षता में विश्वास फाउंडेशन द्वारा गुरुदेव श्री विश्वास जी के आशीर्वाद से 100 टीबी से ग्रस्त मरीज़ों के लिए प्रोटीन युक्त पोषण डाइट दी गई। डिटीओ संदीप छाबड़ा द्वारा सभी सदस्यों का आभार जताते हुए टीबी मुक्त अभियान के लिए एक सराहनीय कदम बताया। विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि यह पोषण डाइट के 16 पैकेट पीएससी ओल्ड पंचकूला, गाँव नाड़ा की डिस्पेंसरी में 7 पैकेट दिए गए, यूडी 19 में 30 पैकेट, गवर्नमेंट डिस्पेंसरी 12 ए में 12 पैकेट व 15 पोषण किट पॉलीक्लिनिक 26 में मरीजों के लिए दिए गए। वहीँ गवर्नमेंट डिस्पेंसरी 8 में 6 पैकेट, जीडी 21 में 8 पैकेट व सेक्टर 6 टीबी हट में 6 पैकेट दिए गए। इस अवसर पर विश्वास फाउंडेशन से ऋषि सरल विश्वास, रणधीर सिंह, मदन नागपाल व टीबी विभाग से सतीश वत्स मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि इस पैक्ड किट में मरीजों के लिए 1 किलो सोया दाल, 1 किलो सोया आटा, 500 ग्राम सोयाबीन बड़ी, 500 ग्राम भूना चना, 500 ग्राम गुड़ व 1 डिब्बा प्रोटीन पाउडर होता है। संस्था द्वारा जून 2022 से मरीजों को डाइट देनी शुरू की गई थी और यह प्रक्रिया आगे भी इसी तरह जारी रहेगी। संस्था ने टीबी के मरीजों को अतिरिक्त पोषण, सोशल, मोरल सपोर्ट व टीबी मुक्त भारत के लिए कम्युनिटी सपोर्ट देने का काम किया है।

पंजाब में आई बाढ़ मैनमेड ना की कुदरती आपदा: सुभाष शर्मा

परदीप सिंह हैप्पी । मोहाली

पिछले दिनों पंजाब में आई बाढ़ पूरी तरह से मान मेड थी। यानी की सीएम भगवंत मान की नाकामी के कारण पूरा पंजाब डूबा और लोगों के घर, खेत तथा कामकाज पूरी तरह से तहस-नहस हो गए। यह बात भाजपा के पंजाबी उपाध्यक्ष डॉ सुभाष शर्मा ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के खिलाफ चार्ज शीट को जनतक करते हुए कही। इस दौरान उनके साथ भाजपा के जिला अध्यक्ष संजीव वशिष्ट और किसान विंग के अध्यक्ष दिलजीत सिंह विशेष तौर पर मौजूद रहे। डॉ सुभाष शर्मा ने कहा कि भाजपा के पंजाबी कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा द्वारा पिछले दिनों आप सरकार के खिलाफ बाढ़ को लेकर चार्ज शीट जनता के समक्ष रखी थी। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा आप सरकार पर बाढ़ की स्थिति बनाने को लेकर आरोप चार्ज शीट में रखे गए हैं और यह आरोप पूरी तरह से तथ्यों पर आधारित हैं।

शर्मा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप सरकार की नालायकी के कारण ही पंजाब को बाढ़ की मार झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा वर्ष 2023 में भी पंजाब में बाढ़ आई थी। लेकिन उसके बावजूद उसे सबक लेते हुए आप सरकार द्वारा कोई भी पुख्ता प्रबंध नहीं किए गए। ना ही सरकार के द्वारा नहरों की सफाई करवाई गई। ना ही बांध पक्के किए गए और ना ही अवैध माइनिंग को रोकने के लिए कोई कार्रवाई की गई। पंजाब में बाढ़ आने के यही मुख्य कारण थे। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री द्वारा केवल ड्रामा करने के अलावा कोई भी काम नहीं किया गया।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री बार-बार एक ही चीज का गाना गाते रहे की हिमाचल में बादल फट गए, हरियाणा में बाढ़ आ गई क्या उसका जिम्मेवार भी भगवंत मान है। लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि अगर पड़ोसी राज्यों में बादल फटे यहां बाढ़ आई और ऊपर से पानी पंजाब की तरफ आया तो उसे पानी को संभालना मुख्यमंत्री का ही काम है। लेकिन वह केवल बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर अपने ही पार्टी वर्करों को खड़ा करके फोटो खिंचवाने में ही व्यस्त रहे।

शर्मा ने कहा कि सबसे ज्यादा मार रणजीत सागर डैम द्वारा मारी गई। रणजीत सागर डैम के पानी के कारण आसपास के तीन जिले पूरी तरह से डूब गए। लेकिन उसको लेकर भी बरसात से पहले सरकार द्वारा इसके लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि वह पंजाब के बहुत सारे इलाकों में खुद दौरा करके आए। वहां पर सभी लोगों ने एक ही बात कही की अवैध माइनिंग के कारण बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। शर्मा ने कहा कि हर बार बरसाती मौसम से पहले सरकार द्वारा आदेश किए जाते हैं की बरसात से पहले पूरे पंजाब में माइनिंग पर रोक लगा दी जाए। लेकिन इस बार सरकार ने ग्राउंड लेवल पर काम करना तो दूर कागजी कार्रवाई के लिए एक चिट्ठी तक नहीं निकाली।

अम्बेडकर राज्य आयुर्विज्ञान संस्थान, मोहाली ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया

परदीप सिंह हैप्पी । मोहाली

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राज्य आयुर्विज्ञान संस्थान, मोहाली के मनोविज्ञान विभाग ने एमबीबीएस छात्रों के लिए एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य भावी स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाना और इस महत्वपूर्ण वैश्विक चिंता पर रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर एमबीबीएस छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक कलंक को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच जैसे विषयों पर विचारोत्तेजक और आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। संस्थान की निदेशक, डॉ. भवनीत भारती ने छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और युवा डॉक्टरों को समाज में व्याप्त मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. निधि मल्होत्रा ने कहा कि इस तरह की पहल समग्र चिकित्सा प्रशिक्षण के अभिन्न गुणों, करुणा, जागरूकता और वकालत को बढ़ावा देती है।

डॉ. एकराम गोयल ने सहभागी और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करने के महत्व पर भी ज़ोर दिया।

प्रतियोगिता में कुल 64 छात्रों ने भाग लिया।

विजेता रहेः

प्रथम पुरस्कारः शगुन

द्वितीय पुरस्कारः सिया राजपूत

तृतीय पुरस्कारः मार्शल धीमान

विजेताओं को सम्मानित किया गया और सभी प्रतिभागियों की मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए उनकी रचनात्मकता और प्रतिबद्धता की सराहना की गई।

यह कार्यक्रम अंबेडकर मेडिकल इंस्टीट्यूट, मोहाली के करुणामयी, समग्र चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने और सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के निरंतर समर्पण को दर्शाता है।

'वोट चोर, गड्डी छेड़ो' राहुल गांधी के अभियान को मोहाली में मिला भारी समर्थन : उप-महापौर कुलजीत सिंह बेदी

परदीप सिंह हैप्पी । मोहाली

मोहाली संसदीय क्षेत्र में राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए "वोट चोर, गड्डी छेड़ो" अभियान को भारी समर्थन मिल रहा है। उप-महापौर कुलजीत सिंह बेदी ने कहा कि मोहाली की टीम ने गाँव और शहर के विभिन्न इलाकों में जाकर लोगों को जागरूक किया और बड़ी संख्या में लोगों ने फॉर्म भरकर अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि राहुल गांधी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किए गए अभियान ने लोगों में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग, दोनों को लोकतांत्रिक रूप से जवाबदेह बनाने की भावना जगाई है। बेदी ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा शुरू किया गया यह अभियान केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक संवैधानिक लड़ाई है। इसका उद्देश्य यह है कि प्रत्येक नागरिक के वोट का महत्व बना रहे और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था अपना कानूनी कर्तव्य निभाए।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग से संबंधित कुछ कानूनी संशोधन किए हैं, जिनसे आयोग की स्वतंत्रता और स्वायत्तता खतरे में पड़ गई है। इससे जनता के मन में यह संदेह पैदा हो रहा है कि क्या चुनाव आयोग अब सचमुच स्वतंत्र है या नहीं।

बेदी ने कहा - "संविधान के प्रावधानों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रत्येक संस्था कानून के दायरे में काम करेगी। लेकिन जब सरकार मनमाने ढंग से कानून बनाकर किसी संस्था को जवाबदेही से मुक्त कर देती है, तो यह संविधान की भावना पर सीधा हमला है।" उप-महापौर ने कहा कि पिछले कई दिनों से वह स्वयं और उनकी टीम मोहाली के गाँवों और शहर के विभिन्न सेक्टरों का दौरा कर रहे हैं। हर जगह लोगों ने बड़े उत्साह के साथ फॉर्म भरे और राहुल गांधी के अभियान का समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि यह ऐसा समर्थन है जिससे साफ़ ज़ाहिर है कि लोग संविधान के महत्व को समझते हैं और वे चाहते हैं कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और जनता के लिए विश्वसनीय हो। बेदी ने कहा - "मैं मोहाली के हर मतदाता का, ख़ासकर गाँव स्तर पर, आभारी हूँ। जिस उत्साह से लोगों ने इसमें हिस्सा लिया, उससे पता चलता है कि इस अभियान ने लोगों के दिलों में जगह बना ली है।"

मतदाता सूचियों में डिजिटल सुधार की माँग

बेदी ने आगे कहा कि राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए अभियान का एक और अहम उद्देश्य मतदाता सूचियों में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि कई बार बिना जानकारी के लोगों के वोट कट जाते हैं या नए वोट जोड़ने में रुकावटें आती हैं। इसलिए कांग्रेस ने माँग की है कि मतदाता सूचियाँ डिजिटल रूप से जारी की जाएँ, हर नागरिक को ऑनलाइन अपना नाम जाँचने की सुविधा मिले और चुनाव आयोग एक समयबद्ध प्रक्रिया अपनाए ताकि बिना वजह कोई वोट न कट जाए। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से चुनाव प्रणाली और मज़बूत और निष्पक्ष बनेगी। उप-महापौर ने कहा कि संविधान हमारे देश की आत्मा है। अगर चुनाव आयोग, न्यायपालिका या अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव डाला गया तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए राहुल गांधी द्वारा उठाया गया यह कदम हर देशभक्त को गौरवान्वित करता है।

thesummernews पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली CONTACT US: 79866-30191